(b) Information for the period 1972 to 1975 is not available as literacy figures are collected only at the time of each decennial Census.

(c) Special measures are being taken to promote education among illiterate women both under formal and non-formal programmes at different levels. These include incentives in the form of scholarships, freeships, books and uniform grants, hostels, mid-day meals, functional literacy programmes, non-formal education programmes for the age-group 15--25 etc. Special efforts have also been planned to increase the enrolment of girls in the age-group 6—11 and 11—14.

These measures together with efforts of the State Governments and several voluntary agencies in the field of adult education would, it is hoped, reduce the extent of illiteracy among the women in the country.

Representation by Scheduled Caste Students of Government Adult Higher Secondary School, Badarpur, Delhi

3599. SHRI AMBESH: Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 7872 on the 28th April, 1975 regarding representation by Scheduled Caste students of Government Adult Higher Secondary School, Badarpur, Delhi and state:

(a) whether the enquiry has since been completed;

(b) if so, salient features of the inquiry; and

(c) action taken on this report?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE AND IN THE DEPARTMENT OF CULTURE (SHRI D. P. YADAV): (a) No, Sir.

(b) and (c). Do not arise.

डालडा फैक्टरी, मम्सी, उज्जैन (मध्य प्रदेश) में प्रोटीनयुक्त खाद्य पदार्थों का उत्पादन

3600. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या कृषि और सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय सरकार द्वारा डालडा फैक्टरी, मम्सी रोड, उज्जैन (मध्य प्रदेश) में प्रोटीनयुक्त खाद्य तथा पेय पदार्थों का उत्पादन किया जा रहा है और यदि हां, तो 1972–73, 1973–74 और 1974–75 में हुए उत्पादन का ब्यौरा क्या है ; और

(ख) उक्त फैक्टरी में अन्य किन चीजों का उत्पादन किया जा रहा है, इस समय उनका कितना स्टाक उपलब्ध है और उक्त वर्षों में वर्ष-वार फैक्टरी को कितना लाभ अथवा हानि हुई ?

कृषि और सिंचाई मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अण्णासाहिब पी० शिन्दे): (क) और (ख): भारतीय खाद्य निगम ने विलायक निस्सारित खाने योग्य मूंगफली का आटा तैयार करने के लिये उज्जैन में एक विलायक निस्सारण संयंत्र स्थापित किया है। यह पदार्थ प्रोटीन का बढ़िया साधन है। 1972–73, 1973–74, और 1974–75 के दौरान संयंत्र में उत्पादित विभिन्न पदार्थों और उनकी मात्रा तथा प्रत्येक पदार्थ के बारे

में 31 मार्च, 1976 को इतिशेष स्टाक का ब्यौरा नीचे दिया जाता है :—

पदार्थ की किस्म	उत्पादित मात्रा (मी०टन०) 1972–73	1973–74	1974–75	31–3–76 को इतिशेष स्टाक
(1) विलायक निस्सारित खाने योग्य मूंगफली का आटा	शून्य	113	669	761
(2) मूंगफली एक्सट्रक्शन	3224	4521	3542	18
(3) राइस ब्रान एक्सट्रक्शन	717	1288	841	1
(4) मूंगफली एक्सपेलर आयल	1648	1386	3380	581
(5) मूंगफली विलायक निस्सारित तेल ।	287	335	390	98
(6) राइस ब्रान विलायक निस्सारित तेल	121	207	140	84

इन तीन वर्षों में निगम द्वारा कमाया गया लाभ इस प्रकार है :—

	राशि (लाख रुपयों में)
1972–73	70.99
1973–74	81.65
1974–75	261.11

निगम द्वारा कमाया गया लाभ अलग नहीं किया जाता है और विधायन यूनिटों के लिए अलग अलग दिखाया जाता है ।

भूमिहीन औद्योगिक मजदूरों और अन्य भूमिहीन व्यक्तियों के लिए आवासीय सुविधाएँ

3601. **डा० लक्ष्मीनारायण पांडेय** : क्या **निर्माण और आवास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भूमिहीन कृषि मजदूरों के लिए आवासीय व्यवस्था उपलब्ध कराने की योजना की तरह औद्योगिक मजदूरों तथा अन्य आवासहीन व्यक्तियों को भी आवास सुविधायें उपलब्ध कराने की सरकार ने नई योजना बनाई है या लक्ष्य निर्धारित किया है ; और

(ख) यदि हां, तो इस बारे में की गई कार्यवाही का ब्योरा क्या है ?

निर्माण और आवास तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री के० रघुरामैया) : (क) और (ख): जहां तक ग्रामीण क्षेत्रों में भूमिहीन कृषि श्रमिकों के अलावा भूमिहीन लोगों का संबंध है, यह योजना जो आरम्भ